GREENLAWNS HIGH SCHOOL
PRELIMINARY EXAMINATION YEAR 2020

SUBJECT : HINDI CLASS : X
TIME : 3 HOURS MARKS : 80

Answer to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the **first 10 minutes**.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Section: **Section A and Section B**
Attempt **All** the questions from Section A
Attempt **four** questions from Section B, answering at least one question each from the two books. You have studied and any two other questions from the same books you have compulsorily chosen.
The intended marks for Questions or parts of Questions are given in brackets[ ].

Section – A (40 marks)
(Attempt all questions)

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (१५)

१) 'जल-संरक्षण और जल-प्रबंधन आज की आवश्यकता है।" कथन को ध्यान में रखते हुए जल के महत्व पर प्रकाश डालिए। साथ ही यह भी बताइए कि आप जल की बर्बादी रोकने के लिए क्या –क्या करेंगे ?

२) आज नारी घर की चार दीवारी से निकलकर नौकरी के लिए तत्पर हो गई है। इस दोहरे दायित्व को निभाने में नारी को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उनका उल्लेख करते हुए अपने विचार लिखिए।

३) आज के युग में सभी का साक्षर होना अत्यंत आवश्यक है। साक्षरता की आवश्यकता तथा इससे होने वाले लाभों को दृष्टि में रखकर एक प्रस्ताव लिखिए।

४) एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए जिसके अन्त में यह वाक्य लिखा गया हो –"ईश्वर जो करता है, अच्छा ही करता है।"

५) निचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

...2/-

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए:- (७)

१) सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी का अधिक से-अधिक प्रयोग हो इस अनुरोध के साथ किसी दैनिक पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए कि वे इस विषय पर संपादकीय लेख प्रकाशित करें।

२) अपने छोटे भाई को, जो छात्रावास में रहता है, पत्र लिखकर समझाइए कि वह किताबी कीड़ा न बनकर खेल या अन्य सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी रुचि ले।

प्रश्न ३. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथा संभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

कुछ दिन बाद एक सुंदर नवयुवक साधु आगरा के बाजारों में गाता हुआ जा रहा था। लोगों ने समझा, इसकी भी मौत आ गई।वे उठे कि उसे नगर की रीत की सूचना दे दें मगर निकट पहुँचने से पहले ही मुग्ध होकर अपने आप को भूल गए। किसी को साहस न हुआ कि उससे कुछ कहे। दम के दम में यह समाचार नगर में जंगल की आग के समान फैल गया कि एक साधु रागी आया है, जो बाजारों में गा रहा है। सिपाहियों ने हथकड़ियाँ सँभालीं और पकड़ने कि लिए साधु की ओर दौड़े। परंतु पास आना था कि रंग पलट गया। साधु के मुखमंडल से तेज की किरणें फूट रही थीं जिनमें जादू था, मोहिनी थी और मुग्ध करने की शक्ति थी। सिपाहियों को न अपनी सुध रही, न हथकड़ियों की, न अपने बल की, न अपने कर्तव्य की, न बादशाह की, न बादशाह के हुक्म की। वे आश्चर्य से उसके मुख की ओर देखने लगे, जहाँ सरस्वती का वास था, और जहाँ से संगीत की मधुर ध्वनि की धारा बह रही थी। साधु मस्त था, सुननेवाले मस्त थे, जमीन-आसमान मस्त थे। गाते-गाते साधु धीरे-धीरे चलता जाता था और श्रोताओं का समूह भी धीरे-धीरे चलता जाता था। ऐसा मालूम होता था, जैसे एक समुद्र है जिसे नवयुवक साधु आवाजों की जंजीरों से खींच रहा है ओर संकेत से अपने साथ-साथ आने की प्रेरणा कर रहा है। और उसकी इच्छा की अवहेलना करने की किसी में हिम्मत नहीं। मुग्ध जन-समुदाय चलता गया, चलता गया। पता नहीं किधर को ? पता नहीं कितनी देर ? एकाएक गाना बंद हो गया। जादू का प्रभाव टूटा, तो लोगों ने देखा कि वे तानसेन के महल के सामने खड़े हैं। उन्होंने दुख और पश्चाताप से हाथ मले और सोचा, 'यह हम कहाँ आ गए ?'

साधु अज्ञान ही में मौत के द्वार पर आ पहुँचा था। भोली-भाली चिड़िया अपने आप अजगर के मुँह में आ फँसी थी। और, अजगर के दिल में जरा भी दया न थी। तानसेन बाहर निकला लोगों को देखकर वह हैरान हुआ। फिर सब कुछ समझकर बोला, ''तो आप ही के सिर पर मौत सवार है ?"

नवयुवक साधु मुस्कराया, ''जी हाँ । मैं आपके साथ गानविद्या पर चर्चा करना चाहता हूँ।"

तानसेन ने बेपरवाही से उत्तर दिया, ''बहुत अच्छा। मगर आप नियम जानते हैं न ? नियम कड़ा है, और मेरे दिल में दया नहीं है। मेरी आँखे दूसरों की मौत को देखने के लिए हर समय तैयार हैं।"

नवयुवक ने कहा, ''और मेरे दिल में जीवन का मोह नहीं है। मैं मरने के लिए हर समय तैयार हूँ।''

इसी समय सिपाहियों को अपनी हथकड़ियों का ध्यान आया। झंकारते हुए आगे बढ़े, और उन्होंने नवयुवक साधु के हाथों में हथकड़ियाँ पहना दीं। भक्ति का प्रभाव टूट गया। श्रद्धा के भाव पकड़े जाने के भय से उड़ गए, और लोग इधर-उधर भागने लगे। सिपाही कोड़े बरसाने लगे, और लोगों के तितर-बितर हो जाने के बाद नवयुवक साधु को दरबार की ओर ले चले। दरबार की ओर से शर्ते सुनाई गईं, ''कल प्रातःकाल नगर के वन में तुम दोनों का गानयुद्ध होगा। अगर तुम हार गये, तो तुम्हें मार डालने तक का तानसेन को पूर्ण अधिकार होगा। अगर तुमने उसे हरा दिया तो उसका जीवन तुम्हारे हाथ में होगा।" यह नौजवान साधु बैजूबावरा ही था।

१) नवयुवक को कौन, किस बात की सूचना देना चाहते थे ? (२)

२) सिपाही किस लिए आए थे ? उन्हें किसकी सुध नहीं थी ? (२)

३) 'भोली-भाली चिड़िया' और 'अजगर' किसे माना गया है और क्यों ? (२)

४) तानसेन कौन था ? दरबार की ओर से क्या शर्ते सुनाई गईं ? (२)
५) बैजूबावरा की विशेषताएँ लिखिए। (२)

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:-
१) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए:- (१)
भौंरा, सरस्वती, गृह
२) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए:- (१)
आहार, इष्ट, उत्तीर्ण, धूप
३) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाइए:- (१)
शिक्षक, चमत्कृत, निराश, तेजस्वी
४) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के शुद्ध रुप लिखिए:- (१)
अनुशरण, अंतर्रात्मा, इतिहासिक, गमभीर
५) निम्नलिखित मुहावरों मेंसे किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए:- (१)
दोनो हाथों में लड्डू होना, मिट्टी का माधो
६) कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए:-
अ) यह तो एक कभी न भूलने वाली यात्रा है। (१)
(रेखांकित का एक शब्द लिखते हुए वाक्य पुन: लिखिए।)
ब) मदद न मिलने के कारण उसे बहुत निराशा हुई। (१)
('वह' शब्द का प्रयोग कीजिए)
क) वर्तमान सरकार अल्पमत में नहीं हैं। (१)
('नहीं' हटाइए किन्तु वाक्य का अर्थ न बदले।)

Section – B (40 marks)

Questions from only two of the following textbooks are to be answered.
Attempt four questions from this section. You must answer at least one question from each of the two books, you have studied and any two other questions from the same books that you have chosen.

साहित्य सागर- संक्षिप्त कहानियाँ

प्रश्न ५. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-
"— - - -अमीर लोग नौकरों पर विश्वास नहीं करते पर मुझपर यहाँ कभी किसी ने संदेह नहीं किया। यहाँ से जाऊँ तो शायद कोई ग्यारह-बारह दे-दे, पर ऐसा आदर न मिलेगा।"
१) उपरोक्त कथन का संदर्भ लिखिए। (२)
२) 'संदेह करने' से आप क्या समझते हैं ? कौन किस पर और क्यों संदेह नहीं करता था ? (२)
३) 'पर ऐसा आदर न मिलेगा' से वक्ता का क्या आशय है ? उसके ऐसा सोचने का क्या कारण है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ? (३)
४) 'अमीर लोग नौकरों पर विश्वास नहीं करते' कथन की सत्यता की पुष्टि में अपने विचार लिखिए। सहमत होने का मुख्य कारण भी लिखिए। (३)

प्रश्न ६.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"तुमको भी सन्देह हो रहा है। सो ठीक ही है।
मुझे भी कुछ सन्देह हो रहा है, मनोरमा क्यों
मुझे इस समय बुला रही है।"

१) किसको, किस पर और क्यों सन्देह हो रहा था? स्पष्ट कीजिए। (२)
२) श्रोता के सन्देह के बारे मेंलिखिए। श्रोता और वक्ता के सन्देह के अन्तर को भी स्पष्ट कीजिए। (२)
३) श्रोता का परिचय लिखते हुए उसके चरित्र के मुख्य गुणों के बारे में लिखिए। (३)
४) कहानी के आधार पर मनोरमा का चरित्र –चित्रण कीजिए। (३)

प्रश्न ७. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"मुसीबत में फँसे भेडिये ने आखिर सियार को अपना गुरु माना और आज्ञापालन की शपथ ली।

१) भेड़िया किस मुसीबत में फँस गया था? सियार ने उसे क्या आश्वासन दिया और क्यों? (२)
२) भेड़िए ने क्या शपथ ली और क्यों? समझाकर लिखिए। (२)
३) सियार ने भेड़िए की सफलता के लिए क्या योजना बनाई ?समझाकर लिखिए। (३)
४)'भेड़े और भेड़िएं' नामक कहानी में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए। (३)

प्रश्न ८. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"काँकर पाथर जोरिकै, मसजिद लई बनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय।।
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार।।"

१) हिन्दुओं की मूर्ति पूजा का उपहास करते हुए कवि ने क्या तर्क दिया है? (२)
२) 'क्या बहरा हुआ खुदाय' से कवि ने किस पर क्या व्यंग्य किया हैं? (२)
३) कवि ने हिन्दु तथा मुसलमानों को क्यों फटकारा है? कवि की समकालीन स्थिति को ध्यान में रखकर उत्तर दीजिए। (३)
४) कवि कबीर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालते हुए यह भी सिद्ध कीजिए कि वह एक धार्मिक सुधारक थे। (३)

प्रश्न ९. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी, घूँघट सरके,
मेघ आए बड़े बन-ठन के, सँवर के।"

१) पेड़ो के झुकने और झाँकने से कवि किस भाव को अभिव्यक्त करना चाहते हैं? समझाकर लिखिए। (२)
२) धूल किसकी प्रतीक है? वह क्या उठाकर भागी और क्यों? समझाकर लिखिए। (२)
३) कौन ठिठक गया है? वह बाँकी चितवन से किसे देख रहा है? 'घूँघट सरके' से कवि का क्या तात्पर्य है? अपने शब्दों में लिखिए। (३)
४) 'मेघ आए' कविता ग्रामीण –संस्कृति की मनोहारी झलक किस प्रकार प्रस्तुत करती है? समझाकर लिखिए। (३)

...5/-

प्रश्न १० निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"जाके प्रिय न राम वैदेही,
तजिए ताहि कोटि वैरी समजद्पि परम सनेही।।
तज्यो पिता प्रह्लाद, विभीषण वन्धु, भरत- महतारी।
बलि गुरु तज्यों, कंत ब्रज बनितन्हि भए-मुद मंगलकारी।।
नाते नेह राम के मनियत, सुहुद सुसेव्य जहाँ लौं।
अंजन कहा आँख जेहि फूटै, बहु तक कहौं कहाँ लै।।
तुलसी सो सब भाँति परमहित पूज्य प्रानते प्यारो।
जासो होय सनेह राम-पद, एतो मतो हमारो।।

१) प्रहलाद, विभीषण, बलि और ब्रज की गोपिकाओं ने किस-किस को त्याग दिया और क्यों ? (२)

२) भरत की माता कौन थी ? उसने अपनी माता का त्याग क्यों कर दिया ? (२)

३) प्रस्तुत पद का केन्द्रीय भाव लिखिए (३)

४) शब्दार्थ लिखिए– (३)

अंजन, मतो, कंत, बंधु, सम, नाते नेह